



Seat No. : _____

OG-101(H)

October-2025

B.Com., Sem.-VI

CE-304 : Advance Accounting & Auditing-II

Time : 2:30 Hours]

[Max. Marks : 70

(Hindi Version)

- निर्देश : (1) दायीं ओर प्रश्न के गुण दर्शाए गए हैं ।
(2) बिन्दुवार उत्तर लिखिए ।

1. आपको देवर्श पब्लिक लिमिटेड कंपनी के अंकेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है । अंकेक्षण प्रारंभ करने से पूर्व आपके द्वारा ध्यान में लिए जाने वाले मुद्दों को लिखिए । 14

अथवा

1. कंपनी के महत्वपूर्ण दस्तावेजों की चर्चा कीजिए । 14
2. (A) अंकेक्षण प्रतिवेदन क्या है ? अंकेक्षक के प्रतिवेदन के महत्व को समझाइए । 7
2. (B) अंकेक्षक के प्रतिवेदन के मूलभूत तत्वों (लक्षणों) की चर्चा कीजिए । 7

अथवा

2. (A) स्वच्छ प्रतिवेदन तथा त्रुटिपूर्ण (मर्यादित) प्रतिवेदन के मध्य अंतर लिखिए । 7
2. (B) अंकेक्षण प्रमाण-पत्र का अर्थ बताइए एवं अंकेक्षण प्रमाण-पत्र का महत्व लिखिए । 7
3. (A) सत्य (सच्चे) लाभों का निर्धारण करने में कई समस्याएँ आती हैं । समझाइए । 7
3. (B) वर्ष 2023-24 हेतु वितरण योग्य (विभाज्य) लाभ की गणना कीजिए : 7

वर्ष	मूल्यहास पूर्व लाभ या हानि (₹)	कंपनी अधिनियम के अनुसार निर्धारित मूल्यहास (₹)	अनवशोषित मूल्यहास (₹)
2021-22	(-) 1,80,000	60,000	15,000
2022-23	(+) 60,000	90,000	24,000
2023-24	(+) 6,30,000	1,50,000	—

अथवा

OG-101(H)

1

P.T.O.

3. (A) लाभ तथा विभाज्य लाभ के मध्य अंतर बताइए । 7
3. (B) विभाज्य लाभ के संदर्भ में अंकेक्षक के कर्तव्यों की चर्चा कीजिए । 7
4. अन्वेषण क्या है ? इसकी लाक्षणिकताओं की चर्चा कीजिए । 14

अथवा

4. अंकेक्षण कार्यक्रम का अर्थ बताइए तथा अंकेक्षण कार्यक्रम तैयार करते समय ध्यान में लिए जाने वाले बिन्दुओं की चर्चा कीजिए । 14
5. बहुविकल्पीय प्रश्नों हेतु सही उत्तर लिखिए : (कोई सात) 14
- (1) निम्न में से किस स्रोत से बोनस अंशों को निर्गमित नहीं किया जा सकता है ?
- (a) सामान्य अनामत (b) पूँजी विमोचन अनामत
- (c) पुनर्मूल्यांकन अनामत (d) प्रतिभूति प्रीमियम
- (2) दो बोनस निर्गमों के मध्य आवश्यक न्यूनतम समय अंतर हैं :
- (a) 12 माह (b) 2 वर्ष
- (c) 3 वर्ष (d) उपरोक्त में से कोई नहीं
- (3) अंकेक्षक को अपना प्रमाण-पत्र निम्न में से किस पक्ष को संदर्भित करते हुए देना चाहिए ?
- (a) कंपनी के निदेशक मंडल को
- (b) केन्द्र सरकार को
- (c) कंपनी के अंश धारकों को
- (d) किसी पक्ष को संदर्भित नहीं किया जाता
- (4) अंकेक्षक के प्रतिवेदन की दिनांक नहीं होनी चाहिए :
- (a) प्रबंधन द्वारा जिस दिनांक को हिसाबों को अनुमोदित किया गया हो, उससे पूर्व की दिनांक ।
- (b) निदेशक मंडल की सभा में जिस दिनांक को हिसाबों को अनुमोदित किया गया हो, उससे पूर्व की दिनांक ।
- (c) वार्षिक सामान्य सभा की दिनांक पर
- (d) (b) एवं (c) दोनों

- (5) किन परिस्थितियों में स्वच्छ अंकेक्षण प्रतिवेदन दिया जा सकता है ?
- जब लाभ-हानि खाता लाभ अथवा हानि की सच्ची एवं सही स्थिति को नहीं दर्शाता है ।
 - कंपनी ने कंपनी अधिनियमानुसार लेखा पुस्तकें बनाई हों ।
 - जब आर्थिक चिट्ठा सच्ची एवं सही मौद्रिक (आर्थिक) स्थिति न दर्शाता हो ।
 - उपरोक्त सभी
- (6) अंकेक्षण कार्यक्रम तैयार करने से पूर्व निम्न में से कौन सी जानकारियाँ प्राप्त करनी आवश्यक हैं ?
- संस्था के नियम एवं विधान (संघटन)
 - लेखांकन पद्धति तथा लेखा पुस्तकें
 - आंतरिक अंकुश की पद्धति
 - उपरोक्त सभी
- (7) _____ एकत्रित एवं सुविचारित तथ्यों का विवरण है ।
- वार्षिक पत्रक
 - अंकेक्षण कार्यक्रम
 - प्रतिवेदन
 - उपरोक्त में से कोई नहीं
- (8) निम्न में से किसे “संदिग्ध गबन (कपट) के किस्से में अन्वेषण” के संबंध में ध्यान में नहीं लिया जाता है ?
- संदिग्ध कपट की प्रकृति
 - नकद के गबन की जाँच करना
 - कंपनी के निदेशकों की अर्हता
 - कितने समय का अन्वेषण करना है, यह निर्धारित करना ।
- (9) निम्न में से कौन सी जानकारियाँ अंकेक्षण कार्यक्रम तैयार करने से पूर्व प्राप्त करना आवश्यक नहीं है ?
- पूर्व के अंकेक्षक का प्रतिवेदन
 - आंतरिक अंकुश की पद्धति
 - प्रतिद्वंद्वियों द्वारा अपनाई गई लेखांकन पद्धति
 - उपरोक्त सभी
- (10) देव कंपनी लिमिटेड का वर्ष 2023-24 का लाभ ₹ 10,00,000 है । यदि कंपनी 13.5% की दर से अंश पूँजी पर लाभांश घोषित करने का निर्णय लेती है, तो कंपनी अधिनियमानुसार सामान्य अनामत में स्थानांतरित की जाने वाली राशि की गणना कीजिए ।
- ₹ 1,00,000
 - ₹ 60,000
 - ₹ 50,000
 - ₹ 75,000

- (11) कंती अंकेशक को अपना प्रतिवेदन निम्न में से किस अधिनियम को संदर्भित करते हुए लिखना चाहिए ।
- (a) साझेदारी (भागीदारी) अधिनियम, 1932
 - (b) विधि-व्यवस्था आदेश, 1949
 - (c) कंती अधिनियम, 2013
 - (d) आयकर अधिनियम, 2000
- (12) निम्न में से कौन सा बिंदु किसी लेनदार अथवा ऋण देने वाली बैंक के स्थान पर अन्वेषण करने के दौरान प्रासंगिक नहीं है ?
- (a) ऋण के उद्देश्य की जाँच
 - (b) प्रस्तुत की गई प्रतिभूतियों की जाँच
 - (c) भूतकाल में अस्वीकार किए गए ऋण आवेदन संबंधी जानकारियाँ प्राप्त करना
 - (d) संभावित ऋणी कंती के स्टॉक तथा अन्य संपत्तियों का गहन मूल्यांकन करना
-